SET – 3

Series : SSO/1/C

कोड नं.
Code No. **2/1/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

निर्धारित समय :3 घंटे] *[अधिकतम अंक :* ***100***

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks :* ***100***

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **15**

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य-प्रेमी होते हैं । मनुष्य का स्वभाव ही है सुन्दर देखने का । घी का लड्डू टेढ़ा भी मीठा ही होता है, पर मनुष्य गोल बनाकर उसे सुन्दर कर लेता है । मूर्ख-से-मूर्ख हलवाई के यहाँ भी गोल लड्डू ही प्राप्त होता है; लेकिन सुन्दरता को सदा-सर्वदा तलाश करने की शक्ति साधना के द्वारा प्राप्त होती है । उच्छृंखलता और सौन्दर्य-बोध में अन्तर है । बिगड़े दिमाग का युवक परायी बहू-बेटियों के घूरने को भी सौन्दर्य-प्रेम कहा करता है, हालाँकि यह संसार की सर्वाधिक असुन्दर बात है । जैसा कि पहले ही बताया गया है, सुन्दरता सामंजस्य में होती है और सामंजस्य का अर्थ होता है, किसी चीज का बहुत अधिक और किसी का बहुत कम न होना । इसमें संयम की बड़ी ज़रूरत है । इसलिए सौंदर्य-प्रेम में संयम होता है, उच्छृंखलता नहीं । इस विषय में भी साहित्य ही हमारा मार्ग-दर्शक हो सकता है ।

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

जो आदमी दूसरों के भावों का आदर करना नहीं जानता उसे दूसरे से भी सद्भावना की आशा नहीं करनी चाहिए । मनुष्य कुछ ऐसी जटिलताओं में आ फँसा है कि उसके भावों को ठीक-ठीक पहचानना सब समय सुकर नहीं होता । ऐसी अवस्था में हमें मनीषियों की चिन्ता का सहारा लेना पड़ता है । इस दिशा में साहित्य के अलावा दूसरा उपाय नहीं है । मनुष्य की सर्वोत्तम कृति साहित्य है और उसे मनुष्य पद का अधिकारी बने रहने के लिए साहित्य ही एकमात्र सहारा है । यहाँ साहित्य से हमारा मतलब उसकी सब तरह ही सात्त्विक चिन्ता-धारा से है ।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

(ख) साहित्य स्रष्टा और साहित्य प्रेमी से क्या तात्पर्य है ? **(2)**

(ग) लड्डू का उदाहरण क्यों दिया गया है ? **(2)**

(घ) उच्छृंखलता और सौंदर्य-बोध में क्या अंतर है ? **(2)**

(ङ) लेखक ने संसार की सबसे बुरी बात किसे माना है और क्यों ? **(2)**

(च) जीवन में संयम की ज़रूरत क्यों है ? **(2)**

(छ) हमें विद्वानों के चिन्तन की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? **(2)**

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए – 'उच्छृंखलता' **(1)**

(झ) सरल वाक्य में बदलिए – **(1)**

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य प्रेमी होते हैं ।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

यह लघु सरिता का बहता जल
कितना शीतल, कितना निर्मल
हिमगिरि के हिम से निकल-निकल,
यह विमल दूध-सा हिम का जल,
कर-कर निनाद कल-कल, छल-छल,
तन का चंचल मन का विह्वल
यह लघु सरिता का बहता जल ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ऊँचे शिखरों से उतर-उतर
गिर-गिर, गिरि की चट्टानों पर,
कंकड़-कंकड़ पैदल चलकर
दिनभर, रजनी-भर, जीवन-भर

धोता वसुधा का अंतस्तल
यह लघु सरिता का बहता जल ।

हिम के पत्थर वो पिघल-पिघल,
बन गए धरा का वारि विमल,
सुख पाता जिससे पथिक विकल
पी-पी कर अंजलि भर मृदुजल

नित जलकर भी कितना शीतल
यह लघु सरिता का बहता जल ।

कितना कोमल कितना वत्सल
रे जननी का वह अंतस्तल,
जिसका यह शीतल करुणाजल
बहता रहता युग-युग अविरल

गंगा, यमुना, सरयू निर्मल
यह लघु सरिता का बहता जल ।

(क) वसुधा का अंतस्तल धोने में जल को क्या-क्या करना पड़ता है ?

(ख) जल की तुलना दूध से क्यों की गई है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए –

'तन का चंचल मन का विह्वल'

(घ) कवि क्या संदेश दे रहा है ?

(ङ) 'रे जननी का वह अंतस्तल' में जननी किसे कहा गया है ?

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

खंड – 'ख'

3. नीचे दिये विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए : **5**

(क) भारतीय किसान की समस्या

(ख) विकास की ओर अग्रसर भारत

(ग) वह बात मुझे आज भी प्रेरणा देती है ।

(घ) हमारे आदर्श व्यक्ति

4. यातायात के नियमों का पालन न करने के कारण दुर्घटनाओं में प्रतिदिन होने वाली वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवहन मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

भारत में पर्यटन की संभावनाओं का उल्लेख कर पर्यटन हेतु अनुकूल वातावरण बनाने की अनुशंसा करते हुए किसी दैनिक अखबार के संपादक को पत्र लिखिए ।

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

5. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 5 = 5**

(क) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? नाम लिखिए ।

(ख) 'इंटरनेट' पत्रकारिता क्या है ?

(ग) समाचार लेखन के 'ककारों' का उल्लेख कीजिए ।

(घ) 'वॉचडॉग' पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

(ङ) 'संपादकीय' की दो विशेषताएँ लिखिए ।

6. विद्यालय में 'बाल दिवस' **अथवा** 'शिक्षक दिवस' के आयोजन पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । **5**

7. 'हस्तशिल्प उद्योग' **अथवा** 'आई.पी.एल. क्रिकेट' विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

खंड – 'ग'

8. प्रस्तुत काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादो गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए

घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए

पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को

चमकीले इशारों से बुलाते हुए और

आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए ।

(क) शरद ऋतु कब और कैसे आती है ?

(ख) सवेरे की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ग) 'चमकीले इशारों' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए' – से कवि का क्या तात्पर्य है ?

अथवा

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज़ का एक पन्ना

कोई अंधड़ कहीं से आया

क्षण का बीज वहाँ बोया गया ।

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया नि:शेष;

शब्द के अंकुर फूटे

पल्लव पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

(क) कवि खेत किसे मानता है और क्यों ?

(ख) 'अंधड़' से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'शब्द के अंकुर फूटे' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए ।

(घ) पल्लव, पुष्पों का उल्लेख यहाँ क्यों किया गया है ?

9. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी

हाथों में झुलाती है उसे गोद-भरी

रह-रह के हवा में जो लोका देती है

गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी ।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त छंद एवं उसकी भाषा का नाम लिखिए ।

(ख) पंक्ति में निहित अलंकार तथा रस का नाम लिखिए ।

(ग) कविता का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ।।

अस मम जीवन बंधु बिनु तोही । जौ जड़ दैव जिआवै मोही ।।

(क) कविता का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए तथा उदाहरण भी बताइए ।

10. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ? 'बच्चन' की कविता के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'उषा' कविता में कवि ने किस प्रकार गाँव की गतिशीलता का वर्णन किया है ?

(ग) 'भाषा को सहूलियत' से बरतने से कवि का क्या अभिप्राय है ?

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

11. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

प्लेटफॉर्म पर उसके बहुत से दोस्त, भाई, रिश्तेदार थे । हसरत भरी नज़रों, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिंचे हुए होठों को बीच में से काटती हुई रेल सरहद की तरफ़ बढ़ी । अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिन्दुस्तानी पुलिस सवार हुई । कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया । एक जमीन थी, एक जबान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबोलहज़ा और अंदाज़ थे, गालियाँ भी एक ही सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज़ रहे थे । बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं ।

(क) सफिया की रेल जब सरहद की तरफ बढ़ी तब उसकी मन:स्थिति कैसी थी ?

(ख) 'अटारी' स्टेशन के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

(ग) लाहौर और अमृतसर की दूरी समझ से परे कैसे थी ?

(घ) 'दोनों ओर भरी हुई बंदूकें थीं' – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भारतीय कला और सौन्दर्य शास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते-जाते रहते हैं । यह संसार की सारी सांस्कृतिक परंपराओं को मालूम है, लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस सिद्धांत की माँग करता है जो भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता । 'रामायण' तथा 'महाभारत' में जो हास्य है वह 'दूसरों' पर है और अधिकांशत: वह पर-संताप से प्रेरित है । जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है ।

(क) कलाकृति में रसों के होने से क्या अभिप्राय है ?

(ख) 'जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) पर-संताप से प्रेरित होने का क्या अर्थ है ?

(घ) रस सिद्धांत की कौन सी विशेषता भारतीय परंपरा में नहीं है ? क्यों ?

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 4 = 12**

(क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

(ख) बाजार का जादू से क्या आशय है ? उसके चढ़ने और उतरने का मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?

(ग) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ? समीक्षा कीजिए ।

(घ) ढोलक की आवाज का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?

(ङ) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों माना है ?

13. लेखक द्वारा भैंस की पीठ पर या पत्थर की शिला पर कंकड़ से कविता लिखना किस सामाजिक सच्चाई को व्यक्त करता है ? आज जीवन मूल्यों में किस तरह का बदलाव आ गया है ? 'जूझ' पाठ के आधार पर लिखिए । **5**

14. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5 × 2 = 10**

(क) यशोधर बाबू के चरित्र में बहुत सी विशेषताएँ हैं पर उन्हें अपनाने का मन नहीं करता । उदाहरण देकर समीक्षा कीजिए ।

(ख) ऐन की डायरी को ऐतिहासिक महत्त्व का दस्तावेज क्यों कहा जाता है ? उसने अपनी डायरी 'किट्टी' को संबोधित कर क्यों लिखी होगी ?

(ग) स्वयं कविता रच लेने का आत्म-विश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ? साहित्यिक रुचि जगाने में उसके अध्यापक का क्या योगदान रहा ?

---

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform